बिहार विधान-सभा वादवृत्त

[वृहस्पतिवार, तिथि 2 जुलाई, 1981 ई०]

(भाग-1 कार्यवाही प्रश्नोत्तर)

विषय-सूची।

		पृष्ठ
प्रश्नों के लिखित उत्तर—	बिहार विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 4 (ii) के परन्तुक के अन्तर्गत सभा मेज पर रखे गये प्रश्नों के लिखित उत्तर :	
तारांकित प्रश्नोत्तर संख्या :	513, 514, 517, 518, 521. 522, 524. 525, 526, 527, 530, 532, 538, 549, 588, 605, 628 एवं 685।	1-29
परिशिष्ट-1 (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	... ...	30-64
परिशिष्ट-2 (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	... ...	65-242
परिशिष्ट-3 (प्रश्नों के लिखित उत्तर)	... ...	243 421
दैनिक-निबन्ध	... ...	423-424

टिप्पणी-किन्हीं माननीय मंत्री एवं सदस्यों से उनके भाषण के संशोधन प्राप्त नहीं हुए।

(3) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(4) सहदेई प्रखण्ड सूखाग्रस्त क्षेत्र घोषित था सूखे के कारण खेत में लगे फसल की बर्बादी हो रही थी जिसके फलस्वरूप खड़गपुर फाटक को खोलकर पटवन के लिए पानी की सुविधा प्रदान की गई। पानी के बहाव को सुगम करने के लिए घाघरा लिंक चैनल के बिन्दू 0·20 पर सड़क को काटकर पानी के बहाव को सुगम बनाया गया। जब चैनल में पानी आ गया तो मधौल ग्राम के ग्रामिणों ने एक आवेदन-पत्र जिला पदाधिकारी को आवागमन हेतु नाव की सुविधा प्रदान करने हेतु दिया और जिला पदाधिकारी ने कार्यपालक अभियंता को उक्त आवेदन-पत्र अग्रसारित करते हुए नाव की व्यवस्था करने हेतु आदेश दिया और तदनुसार 20-7-79 से नाव की व्यवस्था की गई। जिस अनुपात में पटवन कराकर फसल की क्षति को बचाया गया और जनाहित में नाव की व्यवस्था कर आवागमन की सुविधा प्रदान की गई वैसी स्थिति में यह व्यय नगण्य ही कहा जायेगा। इन तथ्यों के आलोक में किसी व्यक्ति को दोषी नहीं करार किया जा सकता।

गलत ढंग से पैसा वसूलने वाले के विरुद्ध कार्रवाई

प्र-2. श्री वृष्णि पटेल—क्या मंत्री, राजस्व विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि वैशाली जिलान्तर्गत गोरौला प्रखंड के आत्मपुर पंचायत के बेलवर ग्राम में खाता नं० 393 खसरा नं० 1671 बिहार सरकार की जमीन है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त जमीन पर सप्ताह में पाँच दिन हाट लगाया जाता है, जिसकी आमदनी सालाना दस हजार रुपया है;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त हाट की आमदनी सरकार को प्राप्त नहीं होती है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार इस हाट को अपने माध्यम से डाक कराकर बंदोबस्त करना चाहती है, एवं सरकारी जमीन पर गलत ढंग से हाट लगाकर पैसा वसूलने वाले के विरुद्ध कार्रवाई करना चाहती है, यदि हाँ तो कब तक, नहीं तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, सिंचाई विभाग—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है। गत सर्वे खतियान में प्लौट नं० 1671 जिसका एजाजी 0·33 डी० है बिहार सरकार के नाम खाते में दर्ज है। खतियान के किस्त जमीन के कालम में बाजार अंकित है।

(2) उत्तर आंशिक रूप से स्वीकारात्मक है। चूंकि यह हाट वर्त्तमान में व्यक्ति विशेष के द्वारा निजी तौर पर लगाया जाता है। इसलिये इसकी सालाना आमदनी के बारे में कहना सम्भव नहीं है।

(3) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(4) इस बात की जांच की जा रही है कि उक्त हाट व्यक्ति विशेष द्वारा किस स्थिति में लगाया जा रहा है। जांच सम्पन्न हो जाने पर समुचित कार्रवाई की जायेगी।

चिकित्सक का पदस्थापना।

व-118. श्री बंदी शंकर सिंह—क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(1) क्या यह बात सही है कि नवादा जिला अन्तर्गत वारिसलीगंज प्रखंड के कुभी ग्राम में एक स्वास्थ्य उपकेन्द्र है;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त गांव के लगभग 5 मील की दूरी पर कहीं अस्पताल नहीं है;

(3) क्या यह बात सही है कि वहां के ग्रामीणों ने एक स्थायी एम० बी० बी० एस० डा० की पदस्थापना हेतु सितम्बर 1980 में सरकार से मांग की जिसकी जांच नवादा सिविलसर्जन द्वारा की जा चुकी है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक है तो क्या सरकार उक्त स्वास्थ्य उपकेन्द्र में चिकित्सक की पदस्थापना करने का विचार रखती है, यदि नहीं; तो क्यों ?

प्रभारी मंत्री, स्वास्थ्य एवं प० क०—(1) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(2) उत्तर नकारात्मक है।